web: www.nyaysakshi.com || पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल || पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, बुधवार 26 जनवरी 2022 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-04, अंक- 120

बधाई एवं अवकाश सूचना
सभी पाठकों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं... गणतंत्र दिवस के अवसर पर न्याय साक्षी कार्यालय में 26 जनवरी को अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 28 जनवरी को प्रकाशित होगा।

गणतंत्र दिवस पर इस बार 939 वीरों को मिलेगा पुलिस पदक

» जम्मू-कश्मीर पुलिस को मिले सबसे ज्यादा पदक

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्र ने मंगलवार को गणतंत्र दिवस 2022 की पूर्व संध्या पर 939 पुलिस पदकों की घोषणा की है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की घोषणा के अनुसार, 939 पदकों में से 189 पदक वीरता के लिए दिए गए हैं, जो वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), 88 विशिष्ट सेवा (पीपीएम) और 662 मेधावी सेवाओं (पीएम) के लिए दिए गए हैं।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सबसे ज्यादा पदक जीते हैं। 189 में से, 115 पुलिस पदक वीरता के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस को उनके साहस और वीरता के लिए प्रदान किए गए हैं। अर्धसैनिक बलों में, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल को सबसे अधिक 30 वीरता पदक मिले हैं, जबकि भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) को तीन-तीन पदक दिए गए हैं।

सीआरपीएफ ने वीरता के लिए 30 पुलिस पदक, विशिष्ट सेवा के लिए पांच राष्ट्रपति पुलिस पदक और सराहनीय सेवा के लिए 57 पुलिस पदक, जबकि आईटीबीपी ने कुल 18 पदक प्राप्त किए हैं, जिसमें वीरता के लिए तीन पुलिस पदक, विशिष्ट सेवा के लिए तीन राष्ट्रपति पुलिस पदक और सराहनीय सेवा के लिए 12 पुलिस पदक शामिल हैं।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को वीरता के लिए दो पुलिस पदक, विशिष्ट सेवा के लिए पांच राष्ट्रपति पुलिस पदक और सराहनीय सेवा के लिए 46 पुलिस पदक और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) को एक पीपीएम और शाम 4 बजे मिला है। इस साल किसी को भी राष्ट्रपति पुलिस वीरता पदक (पीपीएमजी) नहीं दिया गया है, जो कि पुलिस वीरता पदकों में सर्वोच्च है। पिछले साल झारखंड के दो पुलिसकर्मियों को पीपीएमजी (मरणोपरांत)दिया गया था।

राज्य पुलिस के लिए वीरता के लिए पुलिस पदक के तहत, छत्तीसगढ़ को राज्य में वामपंथी उग्रवाद को नियंत्रित करने में उनकी वीरता के लिए कुल 10 पदक मिले हैं। झारखंड के पुलिस कर्मियों को दो पदक, दिल्ली और मध्य प्रदेश को तीन-तीन और महाराष्ट्र को सात जबकि मणिपुर को एक पदक मिला है।

राष्ट्रपति ने जीवन रक्षा पदक श्रृंखला पुरस्कार-2021 प्रदान करने की दी मंजूरी

राष्ट्रपति ने 51 व्यक्तियों को जीवन रक्षा पदक श्रृंखला पुरस्कार - 2021 प्रदान करने की मंजूरी दी है। इनमें 6 को सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक, 16 को उत्तम जीवन रक्षा पदक और 29 व्यक्तियों को जीवन रक्षा पदक शामिल हैं। पांच को मरणोपरांत पदक प्रदान किया गया है। जीवन रक्षा पदक श्रृंखला के पुरस्कार किसी व्यक्ति के जीवन को बचाने को लेकर मानव स्वभाव के सराहनीय कार्य के लिए दिए जाते हैं। यह पुरस्कार तीन श्रेणियों में प्रदान किए जाते हैं। इनके नाम हैं- सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक, उत्तम जीवन रक्षा पदक और जीवन रक्षा पदक। जीवन के सभी क्षेत्रों के व्यक्ति इन पुरस्कारों के पात्र हैं। यह पुरस्कार मरणोपरांत भी प्रदान किया जा सकता है। यह पुरस्कार (पदक, केंद्रीय गृह मंत्री के हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र और एकमुश्त मौद्रिक भत्ता) संबंधित केंद्रीय मंत्रालय/ संगठन/ राज्य सरकार, जिससे पुरस्कार प्राप्त करने वाला व्यक्ति संबंधित है, उसके द्वारा प्रदान किया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट का 6000 एनजीओ के फेरा लाइसेंस पर अंतरिम आदेश से इनकार

नईदिल्ली (आरएनएस)। उच्चतम न्यायालय ने करीब 6000 स्वयंसेवी संस्थाओं (एनजीओ) को विदेशी चंदा के लिए विदेशी विनियमन (संशोधन)- विधेयक-2020' की अनिवार्य शर्तों में छूट के साथ इन संस्थाओं के लाइसेंस का नवीनीकरण की अवधि कोविड-19 के राष्ट्रीय आपदा अधिसूचित रहने तक बढ़ाने के वास्ते केंद्र सरकार को कोई अंतरिम आदेश देने से मंगलवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति ए. एम. खानविलकर की अध्यक्षता वाली पीठ ने संबंधित स्वयंसेवी संस्थाओं से कहा कि वे लाइसेंस नवीनीकरण के संबंध में केंद्र सरकार के समक्ष अपना पक्ष रखें तथा केंद्र सरकार के कानून के तहत लाइसेंस के नवीनीकरण के मामले में कोई फैसला लें। पीठ ने कहा कि वह इस मामले में कोई अंतरिम आदेश नहीं देना चाहती। इस मसले पर सुनवाई पूरी होने के बाद वह कोई फैसला सुनाएगी।

स्वयंसेवी संस्था ग्लोबल पीस इनीशिएटिव की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने सुनवाई के दौरान कहा कि स्वयंसेवी संस्थाओं के फेरा के नए प्रावधानों के अनुसार लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं होने के कारण कोविड 19 के दौरान बड़ी संख्या में लोगों को मदद करने में परेशानी हो रही है। लिहाजा, अदालत केंद्र सरकार आदेश दे कि वह इस वैश्विक महामारी को राष्ट्रीय आपदा अधिसूचित रहने तक की अवधि तक उन एनजीओ के लाइसेंस के नवीकरण की अवधि तब तक के लिए बढ़ा दे। केंद्र सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल तुषार मेहता ने श्री हेगड़े की दलीलों का जमकर विरोध किया। उन्होंने कहा कि 1100 संस्थाओं ने नवीनीकरण के लिए आवेदन किया था, जिनकी अर्जी मंजूर कर ली गई। उन्होंने आवेदन नहीं करने वाले संस्थाओं के इरादे पर संदेश जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें पता नहीं कि इस याचिका का क्या इरादा है।

महत्वपूर्ण एवं खास

पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह ने दिया कांग्रेस से इस्तीफा

» भाजपा में शामिल होने की संभावना

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आरपीएन सिंह ने मंगलवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उनके भाजपा में शामिल होने की संभावना है। सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को भेजे त्यागपत्र की प्रति ट्विटर पर साझा की और कहा, ''आज, जब पूरा राष्ट्र गणतन्त्र दिवस का उत्सव मना रहा है, मैं अपने राजनीतिक जीवन में नया अध्याय आरंभ कर रहा हूं। जय हिंद।'' उन्होंने इस्तीफे में पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देते हुए कहा है, ''मैं राष्ट्र, लोगों और पार्टी की सेवा करने का अवसर प्रदान करने के लिए आपका (सोनिया) धन्यवाद करता हूं।'' पूर्व केंद्रीय मंत्री सिंह अब तक कांग्रेस में राष्ट्रीय प्रवक्ता और झारखंड के प्रभारी की जिम्मेदारी निभा रहे थे।

इंडोनेशिया के क्लब में झगड़े व आग लगने की घटना में 19 की मौत

जकार्ता । इंडोनेशिया के वेस्ट पपुआ प्रांत में स्थित एक नाइट क्लब में दो समूहों का झगड़ा हो गया जिसके बाद इमारत में आग लग गई। इस घटना में 19 लोगों की मौत हो गई। वेस्ट पपुआ पुलिस के प्रवक्ता एडम एरविंडी ने कहा कि मृतकों में सोरोंग शहर में स्थित क्लब में सोमवार रात को झगड़ा करने वालों में से एक व्यक्ति शामिल है। बाकी 18 और लोगों की मौत आग लगने के कारण बताई जाती है। पुलिस झगड़े की वजह की जांच कर रही है और इस बात की भी तफ्तीश कर रही है कि आग लगाई गई थी या दुर्घटनावश लगी थी। एरविंडी ने कहा कि पुलिस अधिकारी दोनों समूहों के प्रमुख लोगों से भी पूछताछ कर रहे हैं ताकि स्थिति और साफ हो सके।

बुर्किना फासो में राष्ट्रपति काबोरे का तख्तापलट

औगाडोउगोउ । बुर्किना फासो में विद्रोही सैनिकों ने सोमवार रात लोकतांत्रिक रूप से चुने गए राष्ट्रपति रॉश मार्क क्रिश्चियन काबोरे का तख्तापलट कर सत्ता अपने हाथों में ले ली। राजधानी औगाडोउगोउ में कई दिनों से जारी हिंसा और अनिश्चितता का दौर रविवार रात उस समय खत्म हो गया, जब एक दर्जन से अधिक सैनिकों ने सरकारी मीडिया के जरिये बुर्किना फासो की हुकूमत उनके नए संगठन 'द पेट्रियॉटिक मूवमेंट फॉर सेफगार्डिंग एंड रिस्टोरेशन' के हाथों में जाने की घोषणा की। कैप्टन सिसडोर काबेर औड्राओगो ने कहा, 'सोमवार की घटना बुर्किना फासो में एक नए युग की शुरुआत करेगी। देश के हर व्यक्ति के पास अपने जख्मों को भरने, आपसी भाईचारे को कायम करने और एकता का जश्न मनाने का एक शानदार मौका है।' राजधानी के ज्यादातर बाशिंदों ने सैन्य तख्तापलट का स्वागत किया। क्षेत्र में मंगलवार को बड़े पैमाने पर जश्न मनाने की भी योजना है। हालांकि, अफ्रीकी नेताओं और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने बुर्किना फासो में सैन्य शासन 'जुंता' की स्थापना की निंदा की है। 'जुंटर' ने सोमवार शाम बुर्किना फासो में कर्फ्यु लगाते हुए सभी सीमाएं बंद कर दीं। साथ ही संविधान को निलंबित करते हुए संसद भंग करने का आदेश जारी किया। 'जुंटा' ने भरोसा दिलाया कि देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था बहाल की जाएगी। हालांकि, उसने इसकी समयसीमा नहीं बताई।

अमेरिका में डीसी, तीन राज्यों ने गूगल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया

वाशिंगटन । अमेरिका में डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया (डीसी) और तीन राज्यों ने उपभोक्ताओं को कथित रूप से धोखा देने और उनकी निजता का उल्लंघन करने के मामले में गूगल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। वाशिंगटन की अदालत में सोमवार को दायर मुकदमे में डीसी के अटॉर्नी जनरल कार्ल रैसीन ने आरोप लगाया कि गूगल ने उपभोक्ताओं की 'लोकेशन' (उपभोक्ता किस स्थान पर है, उसकी जानकारी) पर नजर रखकर और उसका इस्तेमाल करके उन्हें ''व्यवस्थित'' तरीके से धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि गूगल ने उपभोक्ताओं को यह भरोसा दिलाकर उन्हें भ्रमित किया है कि वे उनके बारे में कंपनी द्वारा एकत्र की गई जानकारी को नियंत्रित कर सकते हैं। मुकदमे में कहा गया है, ''वास्तविकता यह है कि गूगल उत्पादों का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ता कंपनी को उनके लोकेशन की जानकारी साझा करने, इसे एकत्र करने और इससे लाभ कमाने से नहीं रोक सकते।''

राष्ट्रव्यापी कोविड टीकाकरण के तहत देश में अब तक 162 करोड़ 92 लाख कोविड टीके लगाये गये

नईदिल्ली (आरएनएस)। पिछले 24 घंटों में 62 लाख से अधिक वैक्सीन की खुराक देने के साथ ही भारत का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज 162.92 करोड़ से अधिक हो गया। इस उपलब्धि को 1,77,12,517 टीकाकरण सत्रों के जरिये प्राप्त किया गया है।

पिछले 24 घंटों में 2,67,753 रोगियों के ठीक होने के साथ ही स्वस्थ होने वाले मरीजों (महामारी की शुरुआत के बाद से) की कुल संख्या बढ़कर 3,70,71,898 हो गई है। नतीजतन, भारत में स्वस्थ होने की दर 93.15 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में 2,55,874 नए मरीज सामने आए हैं। वर्तमान में 22,36,842 सक्रिय रोगी हैं। वर्तमान में ये सक्रिय मामले देश के कुल पुष्टि वाले मरीजों का 5.62 प्रतिशत हैं। देश भर में जांच क्षमता का विस्तार लगातार जारी है। पिछले 24 घंटों में कुल 16,49,108 जांच की गई हैं। भारत ने अब तक कुल 71.88 करोड़ जांच की गई हैं।

देश भर में जांच क्षमता को बढ़ाया गया है, साप्ताहिक पुष्टि वाले मामलों की दर 17.17 प्रतिशत है, दैनिक रूप से पुष्टि वाले मामलों की दर 15.52 प्रतिशत है।

अनियंत्रित कार खाई में गिरी, भाजपा विधायक के बेटे समेत 7 मेडिकल छात्रों की मौत

» महाराष्ट्र में दर्दनाक हादसा

वर्धा (आरएनएस)। महाराष्ट्र के वर्धा में रात करीब साढ़े 11 बजे एक भीषण हादसे में विधायक के बेटे समेत 7 मेडिकल छात्रों की मौत हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसा वर्धा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग तुलजापुर पर सेलसुरा शिवार में हुआ। गाड़ी में सवार सभी 7 छात्र सवांगी मेघे मेडिकल कॉलेज में पढ़ते थे। वे यवतमाल से सवांगी मेघे लौट रहे थे।

बताया जा रहा है कि सेलसुरा शिवार से गुजरते समय पुल के पास अचानक जंगली जानवर आ गया जिसे बचाने के चक्कर में गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में मरने वाले छात्रों में अविष्कार रहांगडाले (भाजपा विधायक का बेटा), नीरज चौहान, नीतीश सिंह, विवेक नंदन, प्रत्युष सिंह, शुभम जाय और पवन शक्ति शामिल हैं।

वर्धा के एसपी प्रशांत होल्कर ने बताया कि हादसा उस समय हुआ जब, सामने से आ रहे वाहन ने नियंत्रण खो दिया। हादसे में वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना की भयावहता कार की हालत देखकर जाहिर होती है। उन्होंने कहा, प्रारंभिक जांच के अनुसार, कार चला रहे व्यक्ति ने जानवर से बचने के लिए स्टेरियंग को जोर से घुमाया, जिससे वाहन पुलिया के नीचे खाई में गिर गया। एक्सीडेंट इतना खतरनाक था कि मौके पर ही छात्रों की मौत हो गई।

रात का समय होने के कारण हादसे की सूचना नहीं मिली। हालांकि तेज आवाज को देखकर इलाके के लोगों को लगा कि हादसा हुआ है। स्थानीय ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की मदद से युवकों के शवों को निकाला गया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता आरपीएन सिंह भाजपा में शामिल

» उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को लगा बड़ा झटका

नई दिल्ली (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले प्रियंका गांधी और कांग्रेस के बड़ा झटका लगा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता आरपीएन सिंह ने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बीजेपी का दामन थाम लिया है। आरपीएन सिंह ने बीजेपी मुख्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, अनुराग ठाकुर और यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और दिनेश शर्मा, स्वतंत्र देव सिंह भी मंच पर मौजूद थे।इस मौके पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि आरपीएन सिंह का बीजेपी में स्वागत है। प्रधान ने कहा कि विकास के मुद्दे, गरीब कल्याण के मुद्दे को सही मायने में अपनाते हुए आरपीएन सिंह की बीजेपी में एंट्री हुई है। प्रधान ने इस दौरान एक पुराना वाकया शेयर करते हुए कहा कि मैंने पहले एक बार आरपीएन सिंह से कहा था कि आपको बीजेपी के साथ आना चाहिए। प्रधान ने कहा कि पहले सिंधिया जी से भी कहा था कि आप हमारे साथ आइए।आरपीएन सिंह ने धर्मेंद्र प्रधान के लिए कहा कि मेरे बारे में जो शब्द कहे उसके लिए धर्मेंद्र प्रधान जी को हृदय से धन्यवाद देता हूं। उन्होंने बीजेपी में शामिल करने के लिए जेपी नड्डा, अमित शाह और पीएम मोदी का धन्यवाद किया। आरपीएन सिंह ने राष्ट्र निर्माण में बीजेपी के योगदान की तारीफ की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब वो पार्टी नहीं रह गई जहां मैंने शुरुआत की। सिंह ने कहा कि उन्होंने 32 साल से निष्ठा के साथ कांग्रेस में काम किया।आरपीएन सिंह ने कहा कि यूपी देश का दिल है। यूपी की प्रगति मतलब देश की प्रगति है। उन्होंने कहा कि बीजेपी में एक छोटे से कार्यकर्ता के रूप में शुरुआत करके पार्टी मुझे जो भी जिम्मेदारी देगी उसे मैं पूरा करुंगा। आरपीएन सिंह ने यूपी में डबल इंजन सरकार की तारीफ की। उन्होंने यूपी में योगी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है।उत्तर प्रदेश में चुनाव चल रहा है जो देश का दिल है। उत्तर प्रदेश में प्रगति होगी तो देश में प्रगति होगी। पिछले सात सालों में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जो बडी योजनाएं कार्यान्वित हुई है वह उत्तर प्रदेश में हुई है। पूरे उत्तर प्रदेश ने देखा है।डबल इंजन की सरकार ने बडी योजनाओं को पूर्वांचल में कार्यान्वित किया है। पूर्वांचल में जो सपनों में देखा जाता था आज वह जमीन पर उतरा है। उत्तर प्रदेश में पिछले पांच सालों में काननू व्यवस्था को ठीक करने का काम किया है यह सरकार। विश्वास दिलवाता हूं कि जो भी काम देंगे वो आवश्य करेंगे।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान में गिरावट, सुबह हल्का कोहरा छाया

नईदिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को मौसम सर्द रहने के साथ ही न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम 6.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

दिल्ली में सोमवार को अधिकतम तापमान सामान्य से सात डिग्री सेल्सियस कम 14.8 डिग्री सेल्सियस रहा था, जबकि न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, सफदरजंग वेधशाला में न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 6.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, नरेला वेधशाला में न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार, शहर में मंगलवार सुबह हल्का कोहरा छाया रहा, जबकि हवा में आर्द्रता का स्तर 95 प्रतिशत रहा। अधिकतम तापमान के 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

आईएमडी के अनुसार, 26 जनवरी को दिल्ली में बारिश होने की कोई संभावना नहीं है, हालांकि आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को राजपथ पर भव्य गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन होना है।

रफ्तार पकड़ रही है भारतीय अर्थव्यवस्थाः राष्ट्रपति कोविंद

» गणतंत्र दिवस से पहले राष्ट्रपति का देश के नाम संबोधन

नई दिल्ली (आरएनएस)। तिहत्तरवें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर, देश और विदेश में रहने वाले आप सभी भारत के लोगों को मेरी हार्दिक बधाई! हम सबको एक सूत्र में बांधने वाली भारतीयता के गौरव का यह उत्सव है। सन 1950 में आज ही के दिन हम सब की इस गौरवशाली पहचान को औपचारिक स्वरूप प्राप्त हुआ था। उस दिन, भारत विश्व के सबसे बड़े गणतंत्र के रूप में स्थापित हुआ और हम, भारत के लोगों ने एक ऐसा संविधान लागू किया जो हमारी सामूहिक चेतना का जीवंत दस्तावेज है। हमारे विविधतापूर्ण और सफल लोकतंत्र की सराहना पूरी दुनिया में की जाती है। हर साल गणतंत्र दिवस के दिन हम अपने गतिशील लोकतन्त्र तथा राष्ट्रीय एकता की भावना का उत्सव मनाते हैं। महामारी के कारण इस वर्ष के उत्सव में धूम-धाम भले ही कुछ कम हो परंतु हमारी भावना हमेशा की तरह सशक्त है।

गणतन्त्र दिवस का यह दिन उन महानायकों को याद करने का अवसर भी है जिन्होंने स्वराज के सपने को साकार करने के लिए अतुलनीय साहस का परिचय दिया तथा उसके लिए देशवासियों में संघर्ष करने का उत्साह जगाया। दो दिन पहले, 23 जनवरी को हम सभी देशवासियों ने 'जय-हिन्द' का उद्घोष करने वाले नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती पर उनका पुण्य स्मरण किया है। स्वाधीनता के लिए उनकी ललक और भारत को गौरवशाली बनाने की उनकी महत्वाकांक्षा हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत है।

हम अत्यंत सौभाग्यशाली हैं कि हमारे संविधान का निर्माण करने वाली सभा में उस दौर की सर्वश्रेष्ठ विभूतियों का प्रतिनिधित्व था। वे लोग हमारे महान स्वाधीनता संग्राम के प्रमुख ध्वज-वाहक थे। लंबे अंतराल के बाद, भारत की राष्ट्रीय चेतना का पुनर्जागरण हो रहा था। इस प्रकार, वे असाधारण महिलाएं और पुरुष एक नई जागृति के अग्रदूत की भूमिका निभा रहे थे। उन्होंने संविधान के प्रारूप के प्रत्येक अनुच्छेद, वाक्य और शब्द पर, सामान्य जन-मानस के हित में, विस्तृत चर्चा की। वह विचार-मंथन लगभग तीन वर्ष तक चला। अंततः, डॉक्टर बाबासाहब आम्बेडकर ने प्रारूप समिति के अध्यक्ष की हैसियत से, संविधान को आधिकारिक स्वरूप प्रदान किया। और वह हमारा आधारभूत ग्रंथ बन गया।

यद्यपि हमारे संविधान का कलेवर विस्तृत है क्योंकि उसमें, राज्य के काम-काज की व्यवस्था का भी विवरण है। लेकिन संविधान की संक्षिप्त प्रस्तावना में लोकतंत्र, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मार्गदर्शक सिद्धांत, सार-गर्भित रूप से उल्लिखित हैं। इन आदर्शों से उस ठोस आधारशिला का निर्माण हुआ है जिस पर हमारा भव्य गणतंत्र मजबूती से खड़ा है। इन्हीं जीवन-मूल्यों में हमारी सामूहिक विरासत भी परिलक्षित होती है।

इन जीवन-मूल्यों को, मूल अधिकारों तथा नागरिकों के मूल कर्तव्यों के रूप में हमारे संविधान द्वारा बुनियादी महत्व प्रदान किया गया है। अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। संविधान में उल्लिखित मूल कर्तव्यों का नागरिकों द्वारा पालन करने से मूल अधिकारों के लिए समुचित वातावरण बनता है। आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करने के मूल कर्तव्य को निभाते हुए हमारे करोड़ों देशवासियों ने स्वच्छता अभियान से लेकर कोविड टीकाकरण अभियान को जन-आंदोलन का रूप दिया है। ऐसे अभियानों की सफलता का बहुत बड़ा श्रेय हमारे कर्तव्य-परायण नागरिकों को जाता है।